हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 28 नवम्बर 2012, बरेली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

एसआरएमएस इंस्पायर इंटर्नशिप 2012 शुरू

आविष्कारक बन बढ़ाएं अपना और देश का मान

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

इंजीनियरिंग से जुड़े छात्रों को नवीन ज्ञान विज्ञान के प्रति प्रेरित करने को श्री राममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में मंगलवार को इंस्पायर इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संस्थान के डायरेक्टर प्रो. जगन्नाथ ने सभी छात्रों का आह्वान किया कि वे भूतकाल पर निर्भर न रहकर भविष्य के आविष्कारक बनें तभी उनका और देश का भला होगा।

छात्रों को बताया गया कि अक्सर विज्ञान के छोटे से सिद्धांत को विकसित करने में शोधकर्ताओं को बरसों लग जाते हैं। कई बार तो शोधकर्ताओं को अपने शोध का परिणाम तक देखने को नहीं मिल पाता है। परन्तु आने वाली पीढ़ी इसका लाभ जरूर पा सकती है। एसआरएमएस के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि छात्रों को इस कार्यक्रम से काफी फायदा होगा। हो सकता है कि उन्हें इस कार्यक्रम के जरिए ही अपने शोध की दिशा तय करने में मदद मिले। इस मौके पर एआरआईईएस नैनीताल के डायरेक्टर प्रो. राम सागर ने अपने खगोलिय विज्ञान के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्हें एस्ट्रोलॉजीकल सोसाइटी आफ इंडिया की तरफ से यंग एस्ट्रोनॉमर एवार्ड 1983-84 भी मिल चुका है। रुड़की से आए प्रो. सुनील बाजपेई ने जीवाश्म विज्ञान के बारे में जानकारियां दीं।

ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने छात्रों का आह्वान किया कि छात्र मन में उपजने वाले प्रश्नों को नोट कर लें और वैज्ञानिकों से उनके हल जरूर जानें।

इस मौके पर समन्वयक रतीश अग्रवाल ने छात्रों और उनके अभिभावकों का स्वागत किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, रिचा मूर्ति, आईएमएस के डीन डा. वीपी श्रोत्रिया, डीन डा. प्रभाकर गुप्ता, ट्रस्ट के प्रकाशक प्रो. सुभाष मेहरा ने दीप जलाकर किया। इस मौके पर एसआरएमएस डब्लूसीईटी के प्राचार्य प्रो. टीडी बिष्ट, डा. मो. मुस्तकीम अब्दुल्ला समेत बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग से जुड़े शिक्षक मौजूद रहे।

एसआरएमएस में मंगलवार को हुए इंस्पायर इंटर्नशिप में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आयोजन

- इंजीनियरिंग के छात्रों को नवीन ज्ञान विज्ञान के प्रति किया प्रेरित
- इंजीनियरिंग के छात्रों को नवीन ज्ञान विज्ञान के प्रति किया प्रेरित